

भारत सरकार  
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 1906  
जिसका उत्तर 31.07.2025 को दिया जाना है  
हरित राजमार्ग

+1906. श्री थरानिवेथन एम. एस.:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हरित राजमार्ग (वृक्षारोपण, प्रत्यारोपण, सौंदर्यीकरण और रखरखाव) परियोजना की तमिलनाडु के राजमार्गों की कुल लंबाई और लगाए गए वृक्षों की संख्या सहित वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) अब तक प्राप्त पर्यावरणीय और सामाजिक लाभ, विशेषकर कार्बन पृथक्करण, वायु गुणवत्ता सुधार और जैव विविधता संरक्षण के संदर्भ में क्या है;

(ग) वित्तपोषण, राज्य सरकारों के साथ समन्वय और वृक्षारोपण की उत्तरजीविता दर से संबंधित मुद्दे सहित राजमार्गों के किनारे हरित आवरण के कार्यान्वयन और रखरखाव में आने वाली चुनौतियाँ क्या हैं; और

(घ) हरित राजमार्ग पहल में स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) हरित राजमार्ग (वृक्षारोपण, प्रत्यारोपण, सौंदर्यीकरण और अनुरक्षण) नीति के तहत, देश भर में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के किनारे वृक्षारोपण किया जा रहा है। 2015-16 से, तमिलनाडु में लगभग 5082 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब तक 27.18 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

(ख) राजमार्गों के हरितीकरण से वायु गुणवत्ता में सुधार, कार्बन पृथक्करण, ध्वनि प्रदूषण में कमी, वायु गुणवत्ता में सुधार, जैव विविधता संरक्षण, मृदा अपरदन नियंत्रण, जल संरक्षण, जलवायु अनुकूलता और जैव विविधता संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित हुए हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से, लगाए गए वृक्ष महत्वपूर्ण कार्बन अवशोषक (सिंक) के रूप में कार्य करते हैं, जलवायु परिवर्तन को सीधे कम करते हैं, और प्रदूषकों और धूल को हटा करके वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार करते हैं। सामाजिक रूप से, इस परियोजना ने वृक्षारोपण और रखरखाव गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर उत्पन्न किए हैं, साथ ही राजमार्गों के सौंदर्यीकरण को भी बढ़ाया है और पर्यावरण संरक्षण में

सामुदायिक सहभागिता और स्वामित्व को बढ़ावा दिया है। सामाजिक लाभों में बेहतर सड़क सुरक्षा, आजीविका के अवसर और सौंदर्य संबंधी महत्व भी शामिल हैं।

(ग) यद्यपि अजेय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वृक्षारोपण और पौधों के रखरखाव का कार्य राज्य सरकारों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के समन्वय से किया जाता है, तथापि पौधों का अनुरक्षण और चालू राजमार्ग की परिस्थिति में उनके उत्तरजीविका को बनाए रखना सदैव एक चुनौती बना रहेगा।

(घ) सरकार अपनी कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से, स्कूली बच्चों और स्थानीय समुदायों को वृक्षारोपण कार्यकलापों और "एक पेड़ माँ के नाम" जैसे विशेष अभियानों में शामिल करने सहित, स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए देशी प्रजातियों के उपयोग, जागरूकता अभियान आदि जैसे कई कदम उठा रही है।

"एक पेड़ माँ के नाम 2.0" अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है, जहाँ वृक्षारोपण अभियान में स्कूली बच्चों और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। चालू वर्ष के दौरान, "एक पेड़ माँ के नाम 2.0" अभियान के अंतर्गत 55 लाख पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है।

\*\*\*\*\*